S-VI
HRM
DSE-III

# निष्पादन मूल्यांकन का अर्थ एवं उद्देश्य
# MEANING AND OBJECTS PERFORMANCE APPRAISAL

कर्मचारी के कार्य कुशलता के मूल्यांकन की प्रक्रिया को कार्य आकलन या निष्पादन मूल्यांकन कहा जाता है। किसी नए कर्मचारी का नियोजन करने उसे किसी कार्य पर लगाया जाता है तो उससे यह उम्मीद की जाती है कि वह उस कार्य को एक कसौटी के अनुकूल संपादित करेगा। उस कर्मचारी द्वारा किये गए कार्यों की जांच पर यह देखने का प्रयास किया जाता है कि वह निर्धारित मापदंड पर सफल उतरा या नहीं। अतः निर्धारित मापदंड के अनुकूल किसी कार्य संचालित होने की कुशलता की जाँच करने की यह प्रक्रिया कार्य आकलन कहलाती है। अतः कहा जा सकता है कि कार्य निष्पादन आकलन का तात्पर्य उस प्रक्रिया से है जिसके द्वारा कर्मचारी की कार्य कुशलता की जाँच करके यह निर्धारित किया जाता है कि निर्धारित कसौटी के अनुकूल मात्रा तथा गुण के दृष्टिकोण से अपने कार्य को निष्पादित करने में कहां तक सफल हो सका है। डैल योडर ने इसे परिभाषित करते हुए बताया कि - कार्य आकलन या निष्पादन आकलन का आशय उन समस्त औपचारिक कार्य विधियों से है जिनका प्रयोग संगठन में कार्यरत कर्मचारी के लिए किया जाता है।

कार्य आकलन का उपयोग अनेक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है जिनके कुछ प्रमुख निम्नलिखित हैं —

1. पदोन्नति - PROMOTIONS - यही कार्य आकलन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रशासकीय उपयोग है, यह प्रबन्ध तथा कर्मचारियों दोनों के हित में होता है। कर्मचारियों को ऐसी पदस्थिति में पदोन्नति दी जाए जहां उनकी उपयोगिता का सर्वाधिक उपयोग संभव हो। एक भली प्रकार विकसित तथा प्रशासित मूल्यांकन प्रणाली यह निर्धारित करने में सहायक हो सकता है कि क्या व्यक्ति की पदोन्नति के लिए विचार किया जाए। प्रणाली से कर्मचारी के वर्तमान पद के लिए मूल्यांकन होना चाहिए तथा अपेक्षाकृत ऊंचे पद के लिए

उसकी क्षमताओं को देखना चाहिए।

2 परस्पर तुलना मे सहायक - HELPFUL IN MUTUAL COMPARISON -
कार्य आकलन का एक उद्देश्य यह भी है कि प्रत्येक कर्मचारी का समान आधार पर मूल्यांकन किये जाने के परिणाम स्वरूप उनके तुलना के लिए वैज्ञानिक आधार मिल जाता है। योग्यता मूल्यांकन से प्राप्त निष्कर्ष न्यायपूर्ण तथा विश्वसनीय होते है और उनके आधार पर कुशल कर्मचारियों को पुरस्कृत किया जा सकता है।

3. ऊँचा मनोबल - HIGH MORALE - पदोन्नति का न्यायपूर्ण तथा पक्षपात रहित आधार होने से कर्मचारियों मे पदोन्नति के लिए भ्रम कैंसा पैदा नही होता जिसकारण उनका मनोबल ऊँचा रहता है।

4. पर्यवेक्षक को लाभ - ADVANTAGE TO SUPERVISION -
उचित मूल्यांकन अधिकारों की पर्यवेक्षण क्षमता बढाता है एक पर्यवेक्षक को अपने अधीनस्थ कर्मचारियों एवं उनके काम से भली भांति परिचित होना चाहिए जिससे अधीनस्थ कर्मचारीओं के दुर्बलता की जानकारी मिल जाती है जिसे दूर करने के लिए वह उच्च स्तरीय ~~स्तरीय~~ प्रबन्ध को उचित सुझाव दे सकता है।

5. प्रबंधक वर्ग की उपयोगिता - UTILITY FOR MANAGERIAL -
इससे प्राप्त सूचनाए प्रबंधकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के विकास मे सहायता पहुंचाती है तथा पदोन्नति स्थानांतरण व पद मुक्ति संबधी निर्णय लेने की मैं भी प्रबंधक का पथ प्रदर्शन करती है। इसे न्यायोचित निर्णयों मे श्रम संबधो मे सुधार होता है तथा उपक्रम मे औद्योगिक शांति की स्थापना होती है।

6. स्थानांतरण TRANSFER — एक संगठन के विभिन्न प्रकार के पद विचार करना आवश्यक होता है जैसे- स्थानांतरण, पद अवनति, तथा ~~सेवा~~ निष्कासन कुछ मामलों मे ऐसी कार्यवाही असंतोषजनक निष्पत्ति के कारण आवश्यक हो जाती है जबकि कुछ मामलों मे आर्थिक परिस्थितियों के कारण आवश्यक हो जाता है। जिसपर संगठन का कोई नियंत्रण नहीं होता। उत्पादकीय प्रक्रिया मे परिवर्तनों के कारण ऐसी कार्यवाहियों को यदि वे कार्य आकलन पर आधारित हो तो उन्हे उचित ठहराया जा सकता है।

7. मजदूरी तथा वेतन प्रशासन - WAGES AND SALARY ADMINISTRATION- कुछ ~~मामल~~ मामलों मे ~~मजदूरियां~~ मजदूरी वृद्धियां निष्पादित मूल्यांकन कार्य रिपोर्टो पर आधारित होती है कुछ दशाओं मे मूल्यांकन तथा वरिष्ठता को मिला जुलाकर देखा जाता है।

8. कार्मिक शोध - PERSONNEL RESEARCH - निष्पादन मूल्यांकन कार्मिक प्रबन्ध के क्षेत्र में शोध मे भी सहायता करता है। मानवीय संबधो मे विभिन्न सिद्धांत कर्मचारियों तथा उनकी निष्पत्ति के बीच कारण तथा परिणाम सम्बन्ध ज्ञात करने के प्रयासों का परिणाम है।

9. आत्म सुधार - SELF IMPROVEMENT — कार्य आकलन कर्मचारियों कि कमजोरियों को सामने लाता है सदभावना तथा आपसी सूझ बूझ की भावना से ओत प्रोत बॉस तथा अधीनस्थ के बीच एक विचार विनिमय कर्मचारियों को अवसर देता है कि संगठन के सामान्य ढांचे मे अपनी निष्पत्ति का दृष्टिपात न करें।

इसप्रकार स्पष्ट हो जाता है कि निष्पादन मूल्यांकन कर्मचारी के व्यक्तित्व, कार्य एवं परिणाम सभी का सम्मिलित मूल्यांकन है; यह व्यक्ति के एक स्वरूप का नहीं अपितु उसके कौशल कार्य तथा परिणामों का अध्ययन उपर वर्णित उद्देश्यों के आलोक में करता है।

26/04/2020

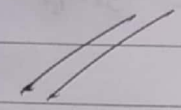

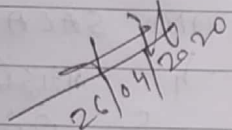

Scanned with CamScanner